nt>

12.46 hrs.

(iv) Re: Reviewing the decision to reduce troops deployed in Jammu and Kashmir in view of increasing terrorist activities

Title: Need to review the decision of reducing troops from Jammu & Kashmir in view of ever increasing terrorist activities.

श्री शिवराज सिंह चौहान (विदिशा) : माननीय अध्यक्ष महोदय, सरकार ने यह फैसला किया है कि जम्मू-कश्मीर में जो हमारी सेना है, उसमें कटोती की जाएगी और वहां से सेना वापस बुलाई जाएगी।

महोदय, देश में लगातार, विशेाकर जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाएं बढ़ रही हैं, सेना के शिविरों पर हमले हो रहे हैं, जवान मारे जा रहे हैं, आत्मघाती हमलों में तेजी आई है। हमारे रक्षा मंत्री स्वयं कह रहे हैं कि सीमा पार से घुसपैठ में कोई कमी नहीं आई है, कोई नियंत्रण नहीं हुआ है बल्कि सीमा पार से घुसपैठ और बढ़ गई है। रक्षा मंत्री महोदय, स्वयं कहते हैं कि सीमा पार अधिकृत काश्मीर में 67 आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर चल रहे हैं और 32 ऐसे केन्द्र हैं जहां से आतंकवादी घुसपैठ भारत में कराई जाती है।

महोदय, जहां एक तरफ यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, वहीं दूसरी तरफ जब यह सरकार पाकिस्तान के साथ बात करती है, तो सीमा पार आतंकवाद का जिक्र भी नहीं करती है। जब आतंकवादी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, तब सेना की संख्या में कटौती करना कहां तक उचित है ?

महोदय, मुझे तो यहां तक जानकारी मिली है कि इस मामले में प्रधान मंत्री कार्यालय और रक्षा मंत्रालय में भी मतभेद हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि यह देश की सुरक्षा का सवाल है, देश की सुरक्षा दांव पर लगी है। ऐसी स्थिति में सेना में कमी करने या सेना को वापस बुलाने के अपने निर्णय पर सरकार पुनर्विचार करे।

MR. SPEAKER: The hon. Home Minister wishes to reply.

श्री गणेश सिंह (सतना) : सर, मेरा भी इसी से जुड़ा हुआ सवाल है।

MR. SPEAKER: You have put a question. I am not allowing you second chance.

श्री गणेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं सैकिंड चांस नहीं ले रहा हूं। जिस विाय पर माननीय शिवराज सिंह जी चौहान बोले हैं, उसी विाय पर मेरा भी नोटिस है। इसलिए मैं अपने को उनसे एसोसिएट करना चाहता हूं।

MR. SPEAKER: You can associate.

गृह मंत्री (श्री शिवराज वि. पाटील) : अध्यक्ष जी, मैं दो बातों के बारे में संक्षेप में खुलासा करना चाहता हूं। सबसे पहले तो मैं बताना चाहता हूं कि प्रधान मंत्री कार्यालय, रक्षा मंत्रालय और मेरे मंत्रालय, यानी गृह मंत्रालय में, सेना कम करने के बारे में कोई मतभेद नहीं है। दूसरी बात यह है कि आज यह कहा जा रहा है कि वहां जो इनफिल्ट्रेशन हो रही है उसकी संख्या पर गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय में मतभेद हैं। मैं बताना चाहता हूं कि रक्षा मंत्रालय और गृह मंत्रालय में इस बारे में भी कोई मतभेद नहीं हैं। तीसरी बात मैं कहना चाहता हूं कि जब रक्षा मंत्री यह कहते हैं कि सितम्बर और अक्तूबर, इन दो महीनों या एक महीने में इनफिल्ट्रेटर्स की संख्या बढ़ी है, तो उनके ऐसा कहने का आधार यह है कि पिछले वा जो इनफिल्ट्रेटर्स आए थे, उससे संख्या बढ़ी है। इसलिए आधी-अधूरी मालूमात देकर उसे वर्तमान संदर्भ में लेकर, लोगों का दिशाभ्रम करने से हमारे देश की रक्षा के काम में कोई अच्छी बढ़ोत्तरी नहीं होगी। मैं इतना ही कहना चाहता हूं।

श्री शिवराज सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, वहां 67 ट्रेनिंग कैम्प चल रहे हैं। â€¦ (व्यवधान)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA (SOUTH DELHI): No, Sir. There is something very important ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: There is a discussion on this subject next week, Monday or Tuesday. You know that you are initiating it

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You have raised an important issue, but it will also be discussed. He has already responded.

...(*Interruptions*)